



WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. General PART-II Examinations, 2017

SANSKRIT-GENERAL

PAPER-SANG-II

Time Allotted: 3 Hours

Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words
and adhere to the word limit as practicable.

প্রান্তিক সীমার মধ্যস্থ সংখ্যাটি পূর্ণমান নির্দেশ করে।
পরীক্ষার্থীরা নিজের ভাষায় যথা সম্ভব শব্দসীমার মধ্যে
উত্তর করিবে।

Unit-I

[Marks- 40]

1. Answer any **one** question from the following: 12×1 = 12

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির থেকে যে-কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর দাও:

- (a) Sketch the character of *Kaṇva* as you find in your text *Abhijñāna Śakuntalam*.

তোমাদের পাঠ্য অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ পুস্তক থেকে মহর্ষি কণ্ণের চরিত্র চিত্রণ করো।

- (b) Discuss the dramatic significance of the curse of *Durbāsāḥ* in the drama *Abhijñāna Śakuntalam*.

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' রূপকে 'দুর্বাসার অভিশাপ' বৃত্তান্তটির নাটকীয় তাৎপর্য আলোচনা করো।

- (c) Explain the dramatic significance of the song of *Hamsapadikā* in Act-V.

পঞ্চমমঞ্চে উপস্থাপিত 'হংসপদিকার সঙ্গীত'-এর নাট্য তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

2. Write short notes on any **four** from the following: 2×4 = 8
নিম্নলিখিতগুলির মধ্যে যে-কোনো **চারটি** বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখোঃ
যযাতি: প্রস্তাবনা, মৃগয়া, বিদূষক: মারীচ, ত্রিশংকু:।
3. Translate into Bengali **or** English any **two** from the following: 6×2 = 12
নিম্নলিখিত যে-কোনো **দুটি** শ্লোকের বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ
- (a) নীবারা: শুকগর্ভকোটরমুখম্প্রষ্টাস্তরুণামধ:
প্রস্নিগ্ধা: ক্বচিদিঙ্কুদীফলমিদ: সূচ্যন্ত এবোপলা:।
বিশ্বাসোপগমাদভিন্নগতয়: শব্দং সহন্তে মৃগা
স্তোয়াধারপথাশ্চ ব্লকলশিখানিষ্মন্দরেখাঙ্কিতা:॥
- (b) গাহন্তাং মহিষা নিপানসলিলং শ্রুঙ্কৈর্মুহুস্তাঙিতং
চায়াবদ্ধকদম্বকং মৃগকুলং রোমন্থমম্ভস্যতু।
বিস্রম্ভং ক্রিয়তাং বরাহততিভির্মুস্তাক্ষতি: পল্বলে
বিশ্রামং লম্বতামিদম্ভ শিথিলজ্যাবন্ধ্যমস্মদ্বনু:॥
- (c) যাস্যত্যঘ শকুন্তলেতি হৃদয়ং সংস্পৃষ্টমুতকণ্ঠয়া
কণ্ঠ: স্তম্ভিতবাষ্পবৃত্তিকলুষশ্চিন্তাজড়ং দর্শনম্।
বৈকলণ্যং মম তাবদীদৃশমহো স্নেহাদরণ্যৌকস:
পীড়্যন্তে গৃহিণ: কথং নু তনয়াবিশ্লেষদু:খৈর্নবৈ:॥
- (d) শুদ্ধান্তদুর্লভমিদং বপুরাশ্রমবাসিনো যদি জনস্য।
দুরীকৃতা: খলু গুণৈরানলতা বনলতাभि:॥
4. Explain with reference to the context any **one** from the following verses: 8×1 = 8
নিম্নলিখিত যে-কোনো **একটি** শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করোঃ
- (a) গচ্ছতি পুর: শরীরং ধাবতি পশ্চাদসংস্থিতং চেত:।
চীনাংশুকমিব কেতো: প্রতিবাতং নীযমানস্য॥

- (b) कृत्ययोर्भिन्नदेशत्वात् द्वैधीभवति मे मनः।
पुरः प्रतिहतं शैले स्रोतः स्रोतोवहो यथा ॥
- (c) भवन्ति नम्रास्तश्वः फलागमैर्नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ॥

Unit-II

[Marks- 30]

5. (a) Give a vivid description of the romantic journey amidst nature of the King *Dilīpa* with his beloved queen *Sudakṣiṇā* towards the hermitage of *Vaśiṣṭha*. 12

প্রিয়রাণী সুদক্ষিণার সাথে রাজা দিলীপের বশিষ্ঠাশ্রমগমনের সময়ে প্রকৃতির মাঝে বিচরণকালীন যাত্রাপথের চিত্র বর্ণনা করো।

OR / অথবা

- (b) Who was *Dilīpa*? What was the relation of *Dilīpa* with the King *Raghu*? 1+1+2+2+6
What was the reason behind his decision of meeting *Vaśiṣṭha*? How did *Dilīpa* come to know about the Curse? Give an idea about the nature of the curse and the way of recovery from the curse as advised by the *Rṣi Vaśiṣṭha* to *Dilīpa*.

দিলীপ কে ছিলেন? রাজা রঘুর সাথে দিলীপের কি সম্বন্ধ ছিল? বশিষ্ঠের সাথে সাক্ষাত করার জন্য রাজা দিলীপের সিদ্ধান্তের পিছনে কি কারণ ছিল? দিলীপ কিভাবে অভিশাপের কথা জানতে পারলেন? অভিশাপের প্রকৃতি কেমন ছিল ও অভিশাপ থেকে মুক্তির উপায় কি হতে পারে – এসম্বন্ধে ঋষি বশিষ্ঠ দিলীপকে যে উপদেশ দিয়েছিলেন সে সম্বন্ধে একটি ধারণা দাও।

6. Write short notes on any *two* from the following: 2×2 = 4

নিম্নলিখিত যে-কোনো দুটি বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো:

পিতরী, নন্দিনী, অরুন্ধতী, হৈয়ঙ্গবীনম্।

7. Translate into Bengali or English any **one** from the following verses: 6×1 = 6

নিম্নলিখিত যে-কোনো **একটি** শ্লোকের বাংলা অথবা ইংরেজীতে অনুবাদ করো:

(a) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महामुजः।

आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः॥

(b) स वेलावप्रवलयां परिख्रीकृतसागराम्।

अनन्यशासनामूर्वी शशासैकपुरीमिव॥

8. Explain with reference to the context any **one** from the following verses : 8×1 = 8

নিম্নলিখিত যে-কোনো **একটি** শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো:

(a) भीमकान्तैर्नृपगुणैः स बभूवोपजीविनाम्।

अधृष्यश्चाभिगम्यश्च यादोरत्नैरिवार्णवः॥

(b) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे हलाघाविपर्ययः।

गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥

Unit-III

[Marks- 20]

9. (a) Give the resulting forms of any **six** from the following: 1×6 = 6

নিম্নলিখিত যে কোনো **ছয়টির** পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখো:

(i) सह + तुमुन्

(ii) सृज् + क्त्वाच्

- | | |
|---------------------|-------------------------------|
| (iii) आ-हन् + ल्यप् | (iv) आस् + शानच् |
| (v) गम् + सन् + उ | (vi) कृ + ण्यत् |
| (vii) भिद् + क्त | (viii) गङ्गा + ढक् |
| (ix) भृ + क्यप् | (x) दा + तव्य |
| (xi) मन् + क्तिन् | (xii) अधि-इ + णिच् + लट् + ति |
| (xiii) दा + तृच्। | |

(b) Substitute single words for any **six** from the following: 1×6 = 6

निम्नलिखित ये कौनो छत्रि एक कथाय प्रकाश करोः

- | | |
|-----------------------|-------------------------|
| (i) जनानां समूहः | (ii) भृशं रोदिति |
| (iii) दीर्घस्य भावः | (iv) श्रीः अस्य अस्ति |
| (v) पठितुमिच्छति | (vi) कषायेण रक्तम् |
| (vii) देवस्य अयम् | (viii) तपःचरति |
| (ix) धावन्तं प्रेरयति | (x) शब्दं करोति |
| (xi) पुत्रमिवाचरति | (xii) नदी माता यस्य सः। |

(c) Name and expound the *Samāsa* in any **four** from the following: 2×4 = 8

निम्नलिखित ये-कौनो चरि ब्यासवाक्यसह समास निर्णय करोः

- | | |
|------------------|-----------------------|
| (i) किंसखा | (ii) यथाशक्ति |
| (iii) छायातरुः | (iv) मुखचन्द्रः |
| (v) विद्यारत्नम् | (vi) पार्वतीपरमेश्वरौ |
| (vii) समक्षम् | (viii) द्विगुः |
| (ix) मातापितरो | (x) त्रिमुनि |

Unit-IV
[Marks- 10]

10. Translate any **one** of the following passages into Bengali or English: 10×1 = 10

নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি অনুচ্ছেদের বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করো:

- (a) शुभ्रवस्त्रावृता वीणापाणी देवी सरस्वती अस्माकं सर्वेषां ज्ञानाधिष्ठात्री।
अखिलविद्यास्वरूपिणी सा नित्यैव देववन्दिता। वसन्तपञ्चम्यां तिथौ स्वेतहंसासीना सर्वेषां
जाङ्घापहा सा देवी कृपया अस्माकं पूजां ग्रहीतुं स्वर्लोकात् मृद्विग्रहे आविर्भवति।
प्रणमामि मातरम्।
- (b) बुद्धोपासको नृपतिः विम्बिसारः स्वराज्ये बौद्धधर्ममतं पचारितवान्। किञ्च बुद्धसकाशात्
तस्य पादनखं गृहीत्वा राजगृहस्य उद्याने निधाय तत्र स्तूपं निर्माय प्रत्यहं
स्वजनपरिवृतोऽन्तःपुरवासिभिः सह तत्र पूजां निवेदयामास। विम्बिसार-तनयेन
अजातशत्रुणा तु सिंहासनम् आरूढ्य बौद्धधर्माचरणं निवारितं निषिद्धम् च।